कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन

प्रलिम्सि के लयि:

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन, सागर वजिन, क्वाड ग्रुपगि, दक्षणि एशयिाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (सार्क)।

मेन्स के लयि:

हदि महासागर क्षेत्र, सागर: क्षेत्र, भारत और उसके पड़ोस में सभी के लयि सुरक्षा और वकिास।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारत की राष्ट्रीय जाँच एजेंसी** द्वारा कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन **(Colombo Security Conclave- CSC)** का वर्चुअल आयोजन कयिा गया था।

- प्रतभिागियों ने अपने-अपने देशों में आतंकवाद से संबंधति वभिन्नि चुनौतयिों पर चर्चा की और आतंकवाद के मामलों के अभयिोजन, वदिशी लड़ाकों से नपिटने की रणनीतितथा इंटरनेट और **सोशल मीडयिा** के दुरुपयोग का मुकाबला करने में अपने अनुभव साझा कयि।

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन (CSC):

- **परचिय: CSC** का गठन वर्ष 2011 में **भारत, श्रीलंका और मालदीव** के त्रपिक्षीय समुद्री सुरक्षा समूह के रूप में कयिा गया था।
  - इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की पाँचवीं बैठक में चौथे सदस्य के रूप में **मॉरीशस** शामलि कयिा गया।
  - **बांग्लादेश और सेशेल्स** ने पर्यवेक्षकों के रूप में भाग लयिा तथा उन्हें समूह में शामलि होने के लयि आमंत्रति कयिा गया।
- **परकिल्पति लक्ष्य:** CSC के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की पाँचवीं बैठक ने नम्निलखिति पाँच स्तंभों में क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ाने और मज़बूत करने के लयि सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई:
  - सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा
  - आतंकवाद और कट्टरवाद का मुकाबला
  - अवैध व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय संगठति अपराध का सामना करना
  - साइबर सुरक्षा, महत्त्वपूर्ण बुनयिादी ढाँचे और प्रौद्योगकिी की सुरक्षा
  - मानवीय सहायता और आपदा राहत
- **महत्त्व:** CSC को क्षेत्रीय सहयोग और साझा सुरक्षा उद्देश्यों को रेखांकति करने के लयि हदि महासागर में भारत की पहुँच के रूप में देखा जा रहा है।
  - **चीन का मुकाबला:** CSC रणनीतकि महत्त्व के क्षेत्र में चीन के प्रभाव को प्रतबिंधति करने तथा सदस्य देशों में चीन की उपस्थतिको कम करने की उम्मीद करता है।
  - **समुद्री सुरक्षा:** भारत के पास रणनीतकि चोकपॉइंट के द्वीपों के साथ-साथ लगभग 7500 कलिोमीटर की एक बड़ी तटरेखा है। समुद्री सुरक्षा देश के लयि प्राथमकि है, जसिमें CSC महत्वपूर्ण भूमकिा नभिाता है।
  - **सागर वजिन के साथ तालमेल:** यह समूह भारत के **"'सागर: क्षेत्रों में सभी के लयि सुरक्षा और वकिास"** और भारत क्वाड **ग्रुपगि** का सदस्य होने के दृष्टकिोण के अनुरूप है।
  - **उभरते उप-क्षेत्रवाद:** 6 हदि महासागर क्षेत्र के देशों का एक सामान्य समुद्री और सुरक्षा मंच पर एक साथ आना उप-क्षेत्रवाद के वकिास का संकेत देता है तथा यह व्यापक वैश्वकि संदर्भ में भी महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाता है।
- **संबद्ध चुनौती:** भले ही छह देशों के रणनीतकि हति हदि महासागर क्षेत्र (IOR) में संरेखति है परंतु चीन के प्रभाव का मुकाबला करने हेतु CSC को एक संस्था के रूप में ढालने का प्रयास दक्षणि एशयिाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (SAARC) को पूरा करना चाहयि।

आगे की राह:

- **क्षेत्रीय सहयोग की आवश्यकता:** सुरक्षा मुद्दों की बढ़ती प्रासंगकिता और अनश्चितिताओं को देखते हुए IOR में सहयोग की अत्यधकि

आवश्यकता है।

- CSC के सफल होने की अधिक संभावना है यदि इस क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव से प्रभाव को सीमित करते हुए यह एक समान रणनीतिक दृष्टि बनाए रखता है।
- अपने पड़ोसी देशों के साथ विवाद के बिंदुओं से बचने के लिये, भारत को यह स्वीकार करना शुरू कर देना चाहिये कि IOR वैश्विक स्तर पर विकसित हो रहा है।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा,विगत वर्षों के प्रश्न (पीवाईक्यू)

प्रश्न: हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (IONS) के संबंध में निम्नलिखित पर विचार कीजिये: (2017)

1. वर्ष 2015 में आईओएनएस का उद्घाटन भारतीय नौसेना की अध्यक्षता में भारत में आयोजित किया गया था।
2. IONS एक स्वैच्छिक पहल है जो हिंद महासागर क्षेत्र के तटीय राज्यों की नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग बढ़ाने का प्रयास करती है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c)1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

- हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी' (IONS) एक स्वैच्छिक पहल है जो क्षेत्रीय रूप से प्रासंगिक समुद्री मुद्दों पर चर्चा हेतु एक खुला और समावेशी मंच प्रदान कर हिंद महासागर क्षेत्र के तटवर्ती राज्यों की नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग बढ़ाने का प्रयास करती है।

स्रोत: पी.आई.बी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/colombo-security-conclave